गुरु दर्शन यात्रा रिपोर्ट

जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, दिल्ली द्वारा आयोजित गुरु दर्शन यात्रा 19 जुलाई 2019 से 21 जुलाई 2019 बेंगलुरु के लिए 19 जुलाई को सुबह सुबह अलग अलग वायुयान द्वारा दिल्ली से करीब 170 आदमियों का एक वृहद संघ बेंगलुरु प्रातः 9:00 बजे के करीब पहुंचा ।वहां से बसों गाडियो की व्यवस्था से पूरा संघ आचार्य प्रवर के दर्शनार्थ प्रवास स्थल बंगलुरु पहुंचा। पहुंचने के साथ ही आचार्य प्रवर के चरण स्पर्श का समय निर्धारित था। सभी ने चरण स्पर्श कर धन्यता का अनुभव किया और लगा मानो यात्रा की सारी थकान चरण स्पर्श ओर अच्छे दर्शनो से दूर हो गई।

उसके बाद सभी लोगों ने बंगलुरु वासियों के शानदार भोजन व्यवस्था का आनंद लिया और उसके बाद अपने अपने होटल और रिसॉर्ट में प्रस्थान किया।

होटल की व्यवस्था में श्याम लाल जी जैन, हीरालाल जी गैलडा,अरविंद जी दुगड़ ने और रिजॉर्ट में भी भीखम चंद जी सुराणा आनंद जी बुच्चा, दीपक जी जैन ,मनोज जी बोरड़, पांची जैन ओर नरेंद्र जी श्याम सुखा आदि कार्यकर्ताओं ने सुंदर व्यवस्था को अंजाम दिया।

मुख्य कार्यक्रम 20 जुलाई का था, उसके लिए 19 जुलाई को रात्रि में गीतिका की रिहर्सल की गई ।सभी आवश्यक निर्देश सभी गायकों को दिए गए ।

यह पूरा प्रयास किया गया कि इस बार अर्ज का समय हमें आचार्य प्रवर के मुख्य प्रवचन के समय मिले। इस हेतु हमारे सम्माननीय अध्यक्ष महोदय का अथक परिश्रम रंग लाया अन्यथा संभव नही लग रहा था।

20 जुलाई को सभी लोग सुबह 4:00 बजे उठकर वृहद मंगल पाठ सुनने गए। उसके बाद सभी पुनः होटल और रिसॉर्ट आये। पूरा संघ 7 बजे से तैयार होकर मुख्य कार्यक्रम में जाने के लिए तैयार थे। सभी पुरुष सदस्य श्वेत ड्रेस में एक जैसी जैकेट के साथ एवम महिलाएं गणवेश में एक रंग के स्टोल के साथ बहुत ही सुंदर और गरिमामय माहौल बना रहे थे । जैसे ही हमारा पूरा संघ आचार्य प्रवर प्रवास स्थल पहुंचा, वंहा करीब 200 लोगों को एक ही वेशभूषा में उपस्थिति वंहा के लिए एक अद्भुत नजारा थी। संभवत बेंगलुरु चातुर्मास का यह प्रथम वृहद संघ था। नाश्ता करने के बाद उसी स्थल से विधिवत रूप से रैली का शुभारम्भ किया गया , जिसकी पूरी व्यवस्था पांची जैन, दीपक जैन , नरेंद्र जी श्यामसुखा, हीरालाल जी एवम महिलाओं की तरफ से राजश्री लुनिया आदि महिलाओ ने बहुत ही व्यवस्थित ढंग से संभाली।

दिल्ली संघ की यह रैली 2024 के चातुर्मास की अर्ज के साथ ठीक 9:00 बजे भोजनालय से रवाना हुई। साध्वी प्रमुखा श्री के प्रवास स्थल से होते हुए जहां साध्वी प्रमुख जी ने बाहर आकर मंगल उद्बोधन दिया और अपना आशीर्वाद भी प्रदान किया, उसके बाद यह रैली आचार्य प्रवर के प्रवास स्थल पहुंची । आचार्य प्रवर ने अपनी मनमोहक दृष्टि से सब को आशीर्वाद प्रदान किया ।उसके बाद यह रैली प्रवचन पंडाल में पहुंची । वहां से दो दो की लाइन में पुरुष सफेद पोशाक और एक जैसी जैकेट में और महिलाएं गणवेश में नारो के साथ अनुशाषित तरीके से चलते हुए बहुत ही गरिमामय लगते हुए एक अद्भुत नजारा पेश कर रही थी । प्रवचन पंडाल मानो पूरा दिल्लीमय हो गया था । हर जगह इस व्यवस्थित संघ की चर्चा थी ।भीखम चंद जी के स्थानीय प्रवास समिति के साथ वार्तालाप की वजह से दिल्ली संघ को अग्रिम पंक्ति में अलग से बैठने का अवसर मिला। जैसे ही आचार्य प्रवर ने प्रवचन पंडाल में प्रवेश किया उन्होंने बहुत ही करुणामय दृष्टि से दिल्ली संघ को अपना आशीर्वाद प्रदान किया ।कार्यक्रम के दौरान जब दिनेश मुनि जी ने गुरुदेव को मंगल पाठ सुनाने के लिए निवेदन किया और उसके बाद दिल्ली सभा के कार्यक्रम के लिए घोषणा की ,तब आचार्य प्रवर ने स्वयं उन्हें कहा कि मंगल पाठ से पहले दिल्ली सभा का कार्यक्रम हों, पूरा दिल्ली संघ मानो गुरुदेव की इस कृपा से निहाल हो गया । आचार्य प्रवर की इस महति कृपा के लिए पूरा दिल्ली समाज उन का कृतज्ञ रहेगा ।दिल्ली समाज की ओर से 2024 के गुरुवर के चातुर्मास की अर्ज का यह कार्यक्रम मेरे संयोजिकय वक्तव्य द्वारा प्रारंभ हुआ और उसके बाद इस अर्ज के स्वर में अपने स्वर मिलाएं अणुव्रत महासमिति के अध्यक्ष

श्री अशोक जी संचेती अमृतवाणी के पूर्व अध्यक्ष श्रीमान सुखराज जी सेठिया ने। उसके बाद साध्वी श्री कनकश्री जी द्वारा रचित सामूहिक गीतिका का संगान दिल्ली के सुप्रसिद्ध गायको एवं दिल्ली सभा के सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सामूहिक रूप से किया गया जिसकी गूंज पूरे प्रवचन स्थल पर गूंज रही थी ।सभी ने इसे बहुत पसंद किया । उसके बाद हमारे माननीय अध्यक्ष श्री तेजकरण जी सुराणा ने अपने सुपरिचित अंदाज में गुरुदेव को 2024 में दिल्ली पधारने के लिए निवेदन किया । उनकी इस अर्ज को गुरुदेव ने बहुत ही ध्यानपूर्वक सुना । उसके बाद गुरुदेव ने मंगल उद्बोधन देते हुए दोपहर की सेवा का समय और प्रदान करने की घोषणा की। उसके बाद दिल्ली का पूरा संघ साध्वी प्रमुख जी की सेवा में उपस्थित हुआ । वहां भी गीतिका का सामूहिक गायन किया गया। साध्वी प्रमुखा श्री ने दिल्ली वालों की अर्जी को सुनते हुए फरमाया कि आपकी भावनाओं को आचार्य प्रवर अवश्य ध्यान देंगे, ऐसा मेरा विश्वास है ।। सभी साध्वी प्रमुखा की अमृतवाणी सुन कर लाभान्वित हुए ।

ठीक 12:45 बजे आचार्य प्रवर के यहां कार्यक्रम निर्धारित था। आचार्य प्रवर जैसे ही पधारे दिल्ली के पूरे संघ ने जय जय ज्योति चरण जय जय महाश्रमण के चिर परिचित नारों से गुरुदेव को वंदन अभिनंन्दन किया । दिल्ली 2024 पधारो के कार्यक्रम की पुनः शुरुआत करने का अवसर मुझे मिला।इसकी भूमिका बनाते हुए मैंने गुरुदेव से निवेदन किया कि मुंबई चातुर्मास के बाद आप दिल्ली पधारे, यह आशा लेकर हम लोग आए है।उसके बाद तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष श्री संजय संचेती ओर दिल्ली महिला मंडल की ओर से श्रीमती पुष्पा जी बोकाड़िया निवर्तमान अध्यक्षा एवम श्रीमति निर्मला जी कोठारी नव निर्वाचित अध्यक्षा ने गुरुदेव को दिल्ली पधारने की अर्ज की। इस यात्रा के संयोजक श्री भिखमचंद जी ने गुरुदेव को दिल्ली पधारने की अर्जे करते हुए श्री राम निवास जी गोयल,अध्यक्ष, दिल्ली विधानसभा के संदेश का वाचन किया और बताया कि किन्ही अपरिहार्य कारणों की वजह से उनके आने का कार्यक्रम रद्द हो गया । उसके बाद उनका यह पत्र गुरुदेव को भेंट किया गया।उसके बाद श्रीमती राज जैन, श्री कमल सेठिया, श्री सुखराज सेठिया , श्री के के जैन, श्री धनराज जी बैद आदि ने अपने विचार व्यक्त किए । सभी क्षेत्रीय सभाओ के पदाधिकारियो का परिचय विजय चोपड़ा, महामंत्री दिल्ली सभा ने प्रभावक तरीके से आचार्य प्रवर के समक्ष पेश किया, जिसे सभी ने सराहा। आचार्य श्री ने सबकी भावनाओं को सुनते हुए यही कहा कि आपकी भावनाओं का सम्मान करते हैं । आपकी अर्ज भी उचित है ।उन्होंने हाथों-हाथ मुंबई से दिल्ली के बीच कितनी दूरी है ,का पता लगाने के लिए नक्शे भी मंगवाए। दूरी का पता लगाया और यह भी कहा कि दूरी ज्यादा नहीं है यह हम आसानी से पूरी कर सकते हैं,लेकिन आपने यह भी फरमाया कि चूंकि मैंने कोयंबटूर में यह निर्णय लिया था अब 2022 तक कोई भी चातुर्मास नहीं फरमाउगा।मैंने उस संबोधन के साथ अपनी आगामी यात्राओं की घोषणा को ताला लगा दिया। यद्यपि पूरे दिल्ली समाज ने कहा गुरुदेव ताला आप ने लगाया है चाबी भी आपके पास ही है। आप कभी भी खोल सकते हैं । गुरुदेव ने दिल्ली वासियो की भावनाओं को महत्व देते हुए कहा कि आपकी भावनाएं उचित है जो कुछ करना है वह अब हमें ही करना है ।हम समय आने पर आपकी भावनाओं का अवश्य आंकलन करेंगे । करीब 45 मिनट की इस सेवा से सभी दिल्ली वासियो को यही लगा कि या तो 2024 नही तो 2025 का चातुर्मास अवश्य मिलना चाहिए। इसके प्रति सभी आश्वस्त से दिख रहे थे। इस तरह से यह विशेष सेवा करीब 45 मिनट तक चली। हर दिल्ली वासी इन सभी सेवाओ से अपने आप को धन्य महसूस कर रहा था।

उसके बाद सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम जो गुरुदेव ने दिल्ली संघ के सदस्यो को रवाना होने से पूर्व मंगल पाठ सुनाते हुए लोगों को एक अविस्मरणीय क्षण प्रदान किया, वह 21 तारीख की शाम 3:45 बजे का वो क्षण था जिसे हर श्रावक अपनी जिंदगी के अमूल्य क्षण समझेगा, जब गुरुदेव ने उस दौरान दिल्ली संघ द्वारा गायी गयी सामूहिक गीत के 2 पदों को सुना और उसके बाद सब ने मंगल पाठ सुनाने को निवेदन किया ।आज गुरुदेव ने दिल्लीवासियों पर कृपा बरसाने का एक अद्भुत निर्णय लिया कि उन्होंने स्वयं बाजोट पर खड़े होकर पूरे दिल्ली वासियों के संघ को मंगल पाठ सुनाया। संभवत यह पहला अवसर था जब इस तरह की कृपा किसी संघ पर बरसाई हो कि आप बाजोट पर खड़े होकर मांगलिक सुनाई हो।पूरा दिल्ली समाज उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता का अनुभव करता है । सभी भक्त गुरुदेव के प्रति अपने समर्पण, गुरु भक्ति को दर्शाते हुए उनकी करुणामय दृस्टि ओर वात्सल्य पूर्ण इस गुरु शिष्य के इस

व्यवहार के प्रति मानो नतमस्तक हो गए। उसके बाद सभी यात्री बसों में बैठकर एयरपोर्ट की ओर रवाना हुए और और सभी लोगों ने इस सम्पूर्ण यात्रा की भूरी भूरी प्रशंसा की ओर इसे एक यादगार ओर स्मरणीय यात्रा बताया।

इस पूरी यात्रा के दौरान जिन जिन साथियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया उनका जिक्र करना भी मैं अवश्य चाहूंगा ।

हमारे अध्यक्ष महोदय श्रीमान तेजकरण जी सुराणा के कुशल नेतृत्व ने इस यात्रा को गरिमा प्रदान की ।इस यात्रा को व्यवस्थित करने के लिए एक संयोजक और दो सह संयोजक की जो नियुक्ति की , वह आपकी दूरदर्शिता को दर्शाता है। गुरुदेव के तीनों कार्यक्रमों में जो विशेष समय मिला एवं जो विशेष दर्शनों का मौका मिला उन सब के पीछे आपकी गुरुदेव के साथ आत्मीयता एवम अपार गुरु भक्ति की वजह से ही संभव हो पाया। आप पर उनकी विशेष कृपा से ही यह सब संभव हो पाया । भीखमचंदजी सुराणा जो इस यात्रा के संयोजक है, उन्होंने इस यात्रा को सुखद और सुनियोजित करने के लिए दो बार यात्रा से पूर्व बैंगलोर जाकर सारी व्यबस्थाओ को चाक चौबन्द किया। उनका अथक परिश्रम सब के मुंह से बोल रहा था। दोनों सह संयोजक दीपक जी जैन जिनकी सूझबूझ से सारी यात्रा को सफल बनाने में जैसे नाम के बेज, समान के बेज यात्रा किट एवम यात्रा के सभी कार्यकर्ताओं को पूरी किट का देना व मेडिकल किट और श्री मनोज जी बोरड़ का विशेष रूप से ट्रांसपोर्ट विभाग का कठिन काम का निर्वहन बहुत ही सहज भाव के साथ किया। आपने रैली को सफल बनाने के लिए भी अच्छे प्रयास किये। यात्रा के दौरान श्याम लाल जी जैन, अरविंद जी दुगड़, हीरालाल जी, कमल गांधी जी का होटल व्यवस्था में ओर पूरी यात्रा टीम का रिसोर्ट व्यवस्था में अभूतपूर्व योगदान रहा। चाय की व्यवस्था हेतु श्री शुभकरण जी बोथरा ओर श्री अशोक जी बैद का बहुत-बहुत आभार । जिन्होंने कम समय मे इनकी व्यवस्था कर आप सबके लिए चाय न केवल वायु यान में बल्कि होटल/ रिसोर्ट में भी उपलब्ध कारवाही। मीडिया की दृष्टि से सभी साथियों का विशेष रूप से हीरालाल जी, दीपक जी का ,जिन्होंने सभी सूचनाएं ओर फ़ोटो तुरंत सभी तक पहुंचाएं उसके लिए उन सबका आभार।इस पूरी यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी थी साध्वी श्री द्वारा रचित सामूहिक गीत जिसका संगान किया दिल्ली के सुप्रशिद्ध संगायक श्री संजय भटेरा, श्री राकेश चंडालिया, श्री राहुल बैद, श्री ओमप्रकाश नागर, श्रीमती रजनी बाफना, श्री मति कल्पना गुजरानी,श्री मति अमिता जैन ,श्रीमती राज जैन एवम अन्य संगायक। इन सब के साथ पूरी दिल्ली की टीम ने जिस तरह से इस गीत को प्रभावक रूप से प्रस्तुत किया वो सब के लिए प्रिय, मधुर एवम स्मरणीय बन गया। सबके प्रति बहुत बहुत आभार एवं कृतज्ञता। रैली में नारे लगाने की दृष्टि से श्री शांति जैन श्रीमती राजश्री लुनिया, पुष्पा चोपड़ा का विशेष योगदान रहा,उन सब के प्रति भी बहुत-बहुत आभार। श्री धनराज जी बैद जिन्होंने हमारी अर्ज में 2024 के लोक सभा चुनाव को उद्दत करते हुए जिस तरह से देश एवम मानव विकाश को जोड़ते हुए गुरुदेव को दिल्ली 2024 में पधारने का निवेदन किया उनके प्रति भी मेरी हृदय से कृतज्ञता ।इस सबसे ऊपर हमारे सभी श्रावक श्राविका भाई बहन जिन्होंने इस पूरी यात्रा में सहयोग प्रदान किया ओर किसी भी तरह की कोई भी परेशानी होने के बावजूद भी उसको उजागर नहीं किया और सम भाव से उन्होंने उन व्यवस्थाओं के साथ अपना सहयोग प्रदान किया उन सब के प्रति दिल्ली सभा की पूरी यात्रा टीम आप सब के प्रति हार्दिक आभारी है और एक बार पुनः आचार्य प्रवर, साध्वी प्रमुखा श्री एवं समस्त साधु साध्वी वृंद के प्रति बहुत बहुत कृतज्ञता के भाव व्यक्त करते हैं और विशेष रूप से साध्वी श्री कनक श्री जी, साध्वी श्री अशोक श्री जी एवं उनके सहवर्ती साध्वीओ के प्रति विशेष रूप से आभार जिन्होंने इस सामूहिक गीत प्रस्तुति के लिए जो श्रम किया जो मार्गदर्शन दिया जो निर्देश दिया, उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता। दिल्ली सभा द्वारा जो 2 स्टाफ को ले जाया गया ,श्री सिद्धार्थ और श्री श्याम । इन दोनों के कार्य के प्रति भी बहुत-बहुत आभार जिन्होंने अपनी सेवाओं से सबका मन मोह लिया। आचार्य महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति बेंगलुरु का बहुत-बहुत आभार जिन्होंने हमें रैली स्थल पर रैली कार्यक्रम करने, आचार्य स्थल पर कार्यक्रम हेतु एवं प्रवचन पंडाल में आगे बैठने की व्यवस्था करने हेतु एवम अन्य सभी व्यवस्थाओं के लिए सहयोग के प्रति बहुत बहुत आभार। दिल्ली सभा के उपाध्यक्ष श्री देवराज जी, श्री नरपत जी मालू एवं मंत्री श्रीमती अंजू जैन श्री आनंद बुच्चा एवं कोषाध्यक्ष श्री पांची जैन के प्रति उनकी सेवाओं के लिए बहुत बहुत आभार प्रकट करती है। श्री रंजीत जी भंसाली जिन्होंने बहुत सुंदर जैकेट किफायती रेट में बनाई, उनके प्रति भी बहुत-बहुत आभार।

यदि किसी का नाम न ले पाया हूँ, तो आप सभी से विनम्र भाव से खमत खामणा कामना करता हुआ इस सुखद यात्रा के समापन पर आप सब के प्रति बहुत बहुत आभार एवं मंगल कामना करता हूं और परम पूज्य आचार्यवर से यही विनती करता हूं कि अतिशीघ्र आप 2024 के चातुर्मास को दिल्ली फरमाए। और 2024 के चतुर्मास की जो नींव इस यात्रा में रखी गई उसकी परिणिति बहुत जल्दी हो इसी मंगल कामना के साथ आप सब के सहयोग के प्रति पुनः पुनः बहुत बहुत आभार ।

विजय चोपड़ा

महामंत्री